कहानी | by Kamal Kanha Sukhwani

मेरे दर्द की कहानी मेरे सांवरे से पूछो
होगी जान के हैरानी मेरे सांवरे से पूछो
मेरे दर्द की कहानी .....

थामी कलाई मेरी फिर गिरने ना दिया है
था माला सा मैं टूटा खुद तार पो दिया है
उस हार की कहानी जिसने नहीं है जानी मेरे सांवरे से पूछो
मेरे दर्द की कहानी .....

ऊँगली पकड़ के मेरी मुझे चलना है सिखाया
था रास्ता भी मुश्किल फिर भी नहीं झुकाया
उन राहों की कहानी जिसने नहीं है जानी मेरे सांवरे से पूछो
मेरे दर्द की कहानी .....

विक्की नहीं था काबिल फिर भी गले लगाया
फर्श से उठा के कान्हा फिर अर्श पे बिठाया
उस दूरी की कहानी जिसने नहीं है जानी मेरे सांवरे से पूछो
मेरे दर्द की कहानी .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-by-kamal-kanha-sukhwani/